तर्ज- बहुत प्यार करते हैं तुमको सनम

इश्क के सागर हैं मेरे खसम
करते पिया तुम,करम पे करम

1- पिया तुम हो सागर,लहरें हम तुम्हारीं
न जायें सही अब ये दूरी तुम्हारी
कर दो पिया तुम,खेल ये खत्म

2- अगर आप चाहो तो पल में जगा लो
नजर ये हमारी जहां से हटा लो
न लो अब हुकम का,बहाना खसम

3- कैसी हुई पिया हालत हमारी
बढ़ती ही जाये ये बेकरारी
रहेगी ये जब तक,मिलेंगे न हम

4- चाहत हमारी है इश्क तुम्हारा
ना जिसके बिना अब जीना गंवारा
तुम्हें यूं ही चाहेंगे,जब तक है दम

Nijanand App